>

Title: Need to supply adequate power in the eastern Uttar Pradesh.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : सभापति महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मूल्यवान समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं अत्यंत संक्षेप में उत्तर प्रदेश की एक समस्या को आपके माध्यम से सदन के समक्ष रखना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश में आज जो हालात हैं, पूरे उत्तर भारत में स्वाभाविक है कि वर्षा कम हुई है तो थोड़ी सूखे की परिस्थितियां निर्माण हो रही हैं। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में बिजली की बहुत दयनीय हालत है। मैं चंदौली संसदीय क्षेत्र से आता हूं, वहां बिजली का जो रोस्टर है, जब आदमी के जागने का समय हो रहा है तो सुबह साढ़े पांच बजे से नौ बजे तक बिजली दी जा रही है। दोपहर में दो से छः बजे तक बिजली दी जा रही है और रात में बिजली गायब रहती है। उसमें भी आठ घंटे बिजली देने में भी दो घंटे-तीन घंटे बिजली दी जा रही है। नहरें चल नहीं पा रही हैं। ऐसा नहीं है कि गंगा का जो कैच एरिया है, चाहे हमारे उस इलाके में नारायणपुर लिफ्ट कैनाल हो या भूपोली हो, उसके कैच एरिया में पानी नहीं है। वैसे बनारस के हिस्से में नहरें आती हैं, शारदा सहायक में पानी नहीं, उसके पेटे में सब है। उत्तर प्रदेश में बिजली भी कम नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश की जो कठिनाई है, वह मैं आपके सामने रखना चाह रहा हूं कि आज किसानों ने बड़ी मुश्किलों से नर्सरी लगाई है, लेकिन वह नर्सरी सूख रही है। मेरा संसदीय क्षेत्र चंदौली धान का कटोरा कहा जाता है, यह धान के उत्पादन का बड़ा केन्द्र है। लेकिन आज वहां किसान नर्सरी भी बचा नहीं पा रहे हैं। महोदय, यह सब कुछ उत्तर प्रदेश में क्यों हो रहा है? उत्तर प्रदेश में वर्तमान में सपा की जो सत्तारूढ़ सरकार है, वह भाजपा-राजग गठबंधन की 80 में से 73 सीटों की जीत पचा नहीं पा रही है। इस नाते वह आम नागरिकों और किसानों से बदला ले रही है कि तुमने भाजपा-राजग को जिताया है, उसका मज़ा चखो। वह सरकार नागरिकों से बदला ले रही है। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से मांग करता हूँ कि केंद्र सरकार हस्तक्षेप करे और किसानों को राहत दे।